आनन्द कुमार त्रिपाठी
सहायक प्रोफेसर (इतिहास)
रोहतास महिला कालेज, सासाराम

बी० ए०(प्रतिष्ठा - इतिहास) तृतीय वर्ष
प्रश्नपत्र - V

"मराठों का उत्कर्ष"

शिवाजी के प्रतिनिधित्व में मराठा शक्ति के उत्थान को मध्यकालीन भारत के इतिहास की एक महत्वपूर्ण घटना के रूप में माना जाता है। मराठों के उत्कर्ष के कारणों में महत्वपूर्ण कारण था - 'महाराष्ट्र की भौगोलिक स्थिति'। चूंकि यह प्रदेश अधिकांशतः पहाड़ों, नदियों, जंगलों एवं अनुपजाऊ भूमि वाला क्षेत्र था इसलिए यहाँ के लोग जुझारू व्यक्तित्व के धनी थे। दूसरा कारण पहाड़ी प्रदेश के निवासी होने के कारण मराठे स्वस्थ एवं बलिष्ट होते थे। तीसरे, चूँकि मराठे पहाड़ी क्षेत्रों में रहते थे इसलिए ये छापामार युद्ध शैली (गुरिल्ला युद्ध) में काफी निपुण थे।

16 वीं एवं 17 वीं सदी में भारत में हुए धार्मिक आन्दोलनों ने महाराष्ट्र में तुकाराम, रामदास, वामन पंडित एवं एकनाथ जैसे धर्म सुधारकों को जन्म दिया। इन सबके उपदेशों ने मराठों को एकता के सूत्र में बांधने एवं देशभक्ति की भावना जगाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। इन धर्मोपदेशकों द्वारा महाराष्ट्र की भाषा 'मराठी' को उपने उपदेशों का माध्यम बनाने के कारण मराठी साहित्य का विकास हुआ। भाषा एवं साहित्य के विकास ने भी मराठों के उत्कर्ष में भूमिका निभायी।

दक्षिण के मुस्लिम राज्यों के राजस्व विभाग में कार्यरत मराठों को शासनकला एवं युद्ध कला की शिक्षा उन्हीं राज्यों से मिली थी। शाह जी भोंसले, मुशरराव, मदनपंडित और राजराय परिवार के सदस्यों ने इन मुस्लिम राज्यों में सूबेदार, मंत्री, दीवान आदि अनेक महत्वपूर्ण पदों को धारण किया था। गोलकुण्डा, बीदर और बीजापुर के नाममात्र के मुसलमान शासक अपने सैनिक एवं असैनिक दोनों विभागों की कुशलता के लिए मराठा सरदारों पर निर्भर थे। इस प्रकार मराठा शक्ति के उत्कर्ष में दक्षिणी राज्यों की भूमिका निर्विवाद है।

Scanned with CamScanner

औरंगजेब की हिन्दू विरोधी नीति का ही परिणाम था कि शिवाजी ने 'हिन्दू पद पादशाही' एवं 'हिन्दुत्व धर्मोद्धारक' की उपाधि ग्रहण कर पुनः ब्राह्मणों की रक्षा का प्रण किया जो मराठा उत्कर्ष का एक कारण रहा। इन सब कारणों के साथ मराठों के उत्थान में शिवाजी की भूमिका एवं उनके चमत्कारी व्यक्तित्व को भुलाया नहीं जा सकता। शिवाजी ने अन्न के कणों की तरह फैले हुए मराठों को अपने कुशल नेतृत्व एवं राष्ट्रीयता के संदेशों के माध्यम से एकता के सूत्र में बाँधा और इसके साथ ही मराठों की उस शक्ति को जगाया जो उनके अन्दर वर्षों से दिपी थी।

Scanned with CamScanner